

राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर

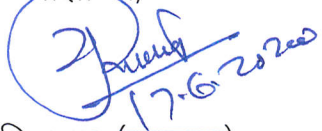
निविदा सूचना

क्रमांक: एचसी/एसके/2020-21/80

दिनांक : 17.06.2020

राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में लेजर प्रिण्टर टोनर/कारटेज (HP12A, HP36A, HP 88A, Canon 308, Canon 326, Canon 328 & Brother TN-2365) के रिफिलिंग का कार्य निविदा/निविदा प्रपत्र के संलग्न वर्णित नियम एवं शर्तों के तहत करवाने हेतु दरों के वार्षिक अनुबन्ध के हेतु अनुभवी फर्मों से दरों के सम्बन्ध में निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। (निविदा का अनुमानित मूल्य रुपये 3,00,000/-)

निविदा प्रपत्र मय नियम एवं शर्तें दिनांक 18.06.2020 से दिनांक 24.06.2020 तक कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क देकर मुख्य रोकड़पाल से खरीद किया जा सकेगा, जिसे दिनांक 25.06.2020 को प्रातः 11.00 बजे तक कार्यालय में जमा करवाया जा सकेगा। प्राप्त निविदाएँ दिनांक 25.06.2020 को प्रातः 11.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएगी। निविदा का विस्तृत विवरण एवं शर्तें <http://sppp.rajasthan.gov.in> एवं <http://www.hcraj.nic.in> की वेबसाइट पर देखी जा सकेगी।

आज्ञा से,

17.6.2020
रजिस्ट्रार (प्रशासन)

UBN is: RHC2021SSRC00003

राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर

:: लेजर प्रिन्टर टोनर/कारटेज (HP12A, HP36A, HP 88A, Canon 308, Canon 326, Canon 328 & Brother TN-2365) के रिफिलिंग कार्य हेतु की गई निविदा एवं अनुबन्ध की शर्तें ::

A. निविदा जारी करने वाले का नाम एवं निविदा का विवरण

1. रजिस्ट्रार जनरल, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर (राज०), फोन: 0291-2888500-04, 0291-2888385(स्टोर अनुभाग) फैक्स: 0291-2888080, ईमेल - hc-rj@nic.in
2. उक्त निविदा सूचना का प्रकाशन नियमानुसार समाचार पत्रों में करने के साथ विभाग की अधिकृत वेबसाइट <http://hcraj.nic.in/tender.aspx> एवं राज्य सरकार की वेबसाइट <https://sppp.rajasthan.gov.in> पर किया जायेगा।
3. निविदादाता से अपेक्षित है कि वह निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करवाने से पूर्व सम्पूर्ण निविदा का भली-भांति अध्ययन कर ले। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण हेतु निविदा सूचना की अंतिम तिथि से पूर्व तक कार्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है। अन्तिम तिथि के पश्चात स्पष्टीकरण स्वीकार नहीं किया जायेगा। तथापि विभाग किसी प्रकार के लिखित स्पष्टीकरण हेतु बाध्य नहीं है। निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा।
4. निविदा के साथ अथवा उससे पूर्व निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि (Earnest Money) विहित रूप में जमा करानी अनिवार्य है जिसके बिना निविदा निरस्त समझी जायेगी। तथापि, यदि निविदादाता किसी प्रकार की नियमानुसार छूट चाहता है तो उसे निविदा में उसका उल्लेख करते हुए सम्बन्धित प्रपत्रों की स्व-सत्यापित प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए अन्यथा उक्त निविदा को छूट के योग्य नहीं समझा जायेगा।
5. अंतिम दिनांक और समय तक प्राप्त निविदाओं को ही मूल्यांकन के लिये योग्य माना जायेगा। मूल्यांकन की सुविधा के लिये कार्यालय अपने विवेकानुसार किसी भी बोलीदाता से लिखित में स्पष्टीकरण मांग सकता है।
6. विभाग द्वारा समय पर प्राप्त निविदाओं को, निविदा सूचना में दर्शाये गए समय एवं दिनांक को क्रय समिति तथा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोला जायेगा।
7. निविदादाता द्वारा निविदा प्रपत्र को निर्धारित प्रारूप मय अनुलग्नकों के तथा प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर कर व मोहर लगाकर कार्यालय में जमा करवाना होगा।
8. विभाग को किसी भी स्तर पर निविदा को, पूर्णतः(Completely) अथवा अंशतः(Partly) को, स्वीकार अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। अस्वीकृत/निरस्त निविदाओं के निविदादाताओं से कोई विचार-विमर्श नहीं किया जायेगा।
9. निविदा प्रपत्र में बतायी गयी शर्तों के अतिरिक्त निविदादाता की कोई भी अन्य शर्त स्वीकार नहीं की जायेगी।
10. उक्त निविदा के तहत रिफिलिंग कार्य हेतु किये गये अनुबन्ध अवधि की वैधता कार्यादेश की दिनांक से दो वर्ष की रहेगी। यद्यपि प्रथमतया सफल निविदादाता को एक वर्ष के लिये ही कार्यादेश दिया जायेगा तथा कार्य सन्तोषप्रद पाये जाने पर अनुबन्ध स्वीकृत दरों एवं शर्तों पर नियमानुसार बढ़ाया जा सकता है।

B. कार्य का विवरण

लेजर टोनर कारटेज रिफिलिंग कार्य किये जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश -

1. टोनर रिफिलिंग कार्य में प्रयुक्त किये जाने वाले पुर्जों /सामग्री-
(a) Toner Powder (finest quality), (b) OPC Drum, (c) Wiper Blade (d) Doctor Blade,
(e) Magnetic roller (f) PCR (g) Recovery blade
नोट :- प्रत्येक टोनर रिफिलिंग किये जाते समय ड्रम आवश्यक रूप से बदले जायेंगे, शेष अन्य सभी पार्ट्स आवश्यकतानुसार या कम्प्यूटर अनुभाग के दिशा निर्देशानुसार बदले जायेंगे।
2. टोनर पाउडर की गुणवत्ता और मात्रा - टोनर पाउडर की गुणवत्ता और मात्रा बेहतरीन/सम्बन्धित कम्पनी (OEM) द्वारा तय मानक मापदण्ड के अनुरूप ही होनी चाहिये। रिफिल किये गये टोनर कारटेज का Output मूल विनिर्माता कम्पनी (OEM) के बराबर होनी चाहिये।
3. टोनर रिफिलिंग कार्य कम्प्यूटर अनुभाग की देखरेख में किया जायेगा। रिफिलिंग कार्य हेतु टोनर कारटेज कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा उपलब्ध करवाये जायेंगे तथा बदले गये पार्ट्स कम्प्यूटर अनुभाग में जमा करवाये जायेंगे।
4. टोनर रिफिलिंग करने से पूर्व व्यतीत टोनर कारटेज पूरी तरह से खाली कर तत्पश्चात उसके आन्तरिक एवं बाहरी पुरजों की पूर्णतया जाँच कर सफाई करते हुये विनिर्माता कम्पनी (OEM) के बराबर टोनर पाउडर भरी होनी चाहिये।

दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर

लगातार.....02

5. कम्प्यूटर अनुभाग किये गये टोनर रिफिलिंग कार्य की गुणवत्ता की जाँच करेगा तथा प्रति माह किये गये कार्य को कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा भौतिक रूप से सत्यापन करने के पश्चात विपत्र कम्प्यूटर अनुभाग के जरिये श्रीमान रजिस्ट्रार (वर्गीकरण) महोदय से **Counter Signature** करवाकर ही भुगतान हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।
6. कार्यादेश आवश्यकता के आधार पर दिया जायेगा। कार्यालय द्वारा आदेश दिये जाने पर सफल आपूर्तिकर्ता को तुरन्त आदेश की पालना करनी होगी, किसी भी मामले में दो दिनों के भीतर दिये गये आदेश की पालना करनी होगी।

C. पात्रता के मानदंड (Eligibility Criteria)

1. निविदा फर्म के निदेशकों/प्रोपराइटरों/साझेदारों/मालिक/कम्पनी सचिव के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा भरी जाने की अवस्था में उस व्यक्ति का निविदा भरने हेतु फर्म के निदेशकों/प्रोपराइटरों/साझेदारों/मालिक/कम्पनी सचिव के द्वारा अधिकृत किया जाने वाले दस्तावेज की प्रति प्रस्तुत करनी होगी जो फर्म के निदेशकों/प्रोपराइटरों/साझेदारों/मालिक/कम्पनी सचिव के द्वारा सत्यापित होनी चाहिए।
2. पंजीकरण:-
 - (a) निविदादाता के पास राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान अधिनियम, 1958 अथवा कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत अथवा इसके समकक्ष अधिनियम के तहत अन्य राज्य/केन्द्र में पंजीकृत होने का प्रमाण पत्र होना चाहिए।
नोट:- (किसी भी पंजीकरण के लागू नहीं होने की दशा में निविदादाता को स्वयं प्रमाणित घोषणा पत्र लैटर हैड पर अनिवार्य रूप से निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना होगा)
 - (b) पंजीकरण प्रपत्र की स्वयं द्वारा सत्यापित प्रति संलग्न करनी चाहिये जिसके अभाव में निविदा निरस्त की जा सकेगी।
3. **कार्यानुभव:-** टोनर कारटेज एवं रिफिलिंग हेतु फर्म का स्वयं का सेटअप होना चाहिये। निविदादाता इस तरह के कार्य का दो वर्ष का अनुभव होना चाहिए।
4. **धरोहर राशि(Earnest Money) :** ठेकेदारों/निविदादाताओं को धरोहर राशि (Earnest Money), जिसकी राशि एवं अन्य विवरण संबंधित अध्याय में दिया गया है, के अनुसार आवश्यक रूप से निविदा के साथ संलग्न कर कार्यालय में जमा करवानी है। धरोहर राशि (Earnest Money) के अभाव में निविदा निरस्त समझी जायेगी।
5. **निविदादाता की अधीन कार्य करने वाले श्रमिकों के सम्बन्ध में निर्देश-**
निविदादाता द्वारा अपने कर्मियों को राज्य सरकार के परिपत्र क्रमांक एफ. 2(1)वित्त/एसपीएफसी/2017 संख्या 1/2018 दिनांक 30-04-2018 की पालना में निर्धारित न्यूनतम दैनिक मजदूरी दिये जाने की अण्डरटेकिंग देनी होगी। इस संबंध में समय समय पर जारी सभी राजकीय अनुदेशों की पालना की समस्त जिम्मेदारी निविदादाता की होगी।

D. धरोहर राशि/प्रतिभूति राशि

1. निविदादाता को धरोहर राशि (Earnest Money) हेतु निविदा के अनुमानित मूल्य की 2 प्रतिशत राशि रोकड़ अथवा डिमाण्ड ड्राफ्ट के रूप में कार्यालय में जमा करवानी होगी। डिमाण्ड ड्राफ्ट 'रजिस्ट्रार जनरल, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर' के नाम से देय होगा एवं रोकड़ राशि निविदा के अन्तिम तिथि से पूर्व कार्यालय के रोकड़पाल को जमा करवाकर इसकी प्राप्ति रसीद निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न आवश्यक रूप से जमा करवानी होगी।
2. सफल निविदादाता को सप्लाई आदेश प्राप्ति के पश्चात 7 दिवस के भीतर Rajasthan Transparency in Public Procurement Rules, 2013 के नियम 75 के प्रावधानों के अनुसार निविदा के अनुमानित मूल्य की 10 प्रतिशत राशि नकद/ बैंक गारण्टी/डी.डी. प्रतिभूति राशि के रूप में 'रजिस्ट्रार जनरल, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर' में जमा करानी होगी, निविदा के संलग्न जमा 2 प्रतिशत धरोहर राशि (Earnest Money) इसमें समायोजन योग्य होगी।
3. यदि कोई निविदा प्रपत्र बिना धरोहर राशि (Earnest Money) के अथवा निर्धारित धरोहर राशि (Earnest Money) से कम का पाया जाता है तो उसे बिना कारण बताये अस्वीकार किये जाने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास होगा।
4. सभी असफल निविदादाताओं को उनके द्वारा जमा धरोहर राशि (Earnest Money) निविदा के सफल निस्तारण के पश्चात लौटा दी जायेगी तथा इसके लिये किसी प्रकार का ब्याज इत्यादि देय नहीं होगा।

दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर

लगातार.....03

E. धरोहर राशि (Earnest Money) का समपहण/जब्ती:-

1. जब निविदादाता निविदा खुलने के पश्चात अपनी निविदा प्रत्याहृत या उपांतरित करता है ;
2. जब निविदादाता प्रदाय/संकर्म आदेश देने के पश्चात विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर करार, यदि कोई हो, का निष्पादन नहीं करता है :-
 - (a) जब निविदादाता विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रदाय/संकर्म आदेश के अनुसार माल या सेवा का प्रदाय या संकर्म का निष्पादन प्रारम्भ करने में असफल रहता है ;
 - (b) जब निविदादाता प्रदाय/संकर्म आदेश दिये जाने के पश्चात विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर कार्य संपादन प्रतिभूति जमा नहीं कराता है ;
3. यदि निविदादाता Rajasthan Transparency in Public Procurement Rules, 2013 के अध्याय 6 (CHAPTER VI) में विनिर्दिष्ट निविदादाता के लिए विहित सत्यनिष्ठा की संहिता के किसी उपबंध को भंग करता है।

F. प्रतिभूति राशि का समपहरण (Forfeiture of Security Deposit) :-

1. निविदादाता द्वारा संविदा में वर्णित किन्हीं निबंधनों और शर्तों का उल्लंघन करता है तो प्रतिभूति राशि को समपहृत कर लिया जाएगा।
2. निविदादाता सम्पूर्ण प्रदाय सन्तोषजनक ढंग से करने में असफल रहता है तो प्रतिभूति राशि को समपहृत कर लिया जाएगा
3. जमा कराई गई प्रतिभूति राशि को समपहृत (Forfit) करने से पूर्व युक्तियुक्त समय देते हुए निविदादाता को नोटिस दिया जाएगा,
4. अमानत राशि (Earnest Money) अथवा प्रतिभूति राशि (Security Money) को समपहृत (Forfit) किये जाने की स्थिति में उक्त राशि विभाग के शीर्ष "अन्य प्राप्तियों" में जमा करायी जाएगी तथा अन्तरण प्रविष्टि की व्यवस्था लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।
5. अनुबन्ध की अवधि समाप्त होने के तीन माह पश्चात प्रतिभूति राशि निविदादाता को लौटा दिया जावेगा।

G. अपात्रता

1. निविदाएं निम्न कारणों से अपात्र घोषित की जा सकती है :
 - (a) निविदा सूचना में प्रकाशित अंतिम तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त हुई निविदाएं।
 - (b) बिना निविदा मूल्य एवं अमानत राशि (Earnest Money) के जमा निविदाएं।
 - (c) अपूर्ण निविदायें एवं भ्रामक अथवा गलत तथ्य/ दावे प्रस्तुत करने वाली निविदायें।
 - (d) विभाग द्वारा चाहे गये स्पष्टीकरण को न प्रदान कर पाना/ स्पष्टीकरण को विभाग द्वारा चाहे गये तय समय से देरी से प्रदान करना।
 - (e) एक से ज्यादा निविदाएं प्रस्तुत करना। ऐसा होने पर फर्म द्वारा भरी गयी समस्त निविदाएं तकनीकी मूल्यांकन में निरस्त की जा सकेंगी।
 - (f) अपूर्ण व सशर्त निविदा प्रस्तुत करना।
 - (g) तकनीकी व अन्य समस्त अहर्ताओं का पूर्ण न कर पाना।
 - (h) निविदादाताओं अथवा उसके किसी प्रतिनिधि का अवांछित रूप से प्रभाव डालना/डलवाना, विवाद इत्यादि करना, रिश्वत इत्यादि का प्रस्ताव करना अथवा गैर कानूनी रूप से तुष्टीकरण करना।
 - (i) अल्प वैधता वाली निविदा प्रस्तुत करना।
 - (j) वांछित अनुभव का ना होना।

दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर

H. सामान्य नियम, शर्तें एवं भुगतान

निविदा हेतु सामान्य नियम एवं शर्तें निम्नानुसार रहेंगे।

1. निविदादाता को कार्यादेश प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर स्वयं के अधीनस्थ कार्मिकों के चरित्र प्रमाण-पत्र किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति/राजपत्रित अधिकारी के हस्ताक्षरशुदा जारी करवाकर संलग्न करना होगा तथा साथ ही सम्बन्धित थाने की पुलिस वेरिफिकेशन रिपोर्ट भी संलग्न करनी होगी।
2. वित्तीय निविदा में शब्दों एवं अंकों में भिन्नता पाए जाने की स्थिति में शब्दों में वर्णित दरों को ही मानते हुए तुलना की जावेगी। यदि गणना में कोई त्रुटि है तो अलग अलग दरों को सही मानते हुए इनके योग की गणना कर तुलना हेतु लिया जावेगा।
3. यदि टोनर रिफिलिंग का कार्य राजस्थान उच्च न्यायालय, प्रशासन की संतुष्टि के अनुसार नहीं किया जाता है तो फर्म की संविदा किसी भी समय निरस्त की जा सकती है और अन्य फर्म से कार्य करवाने पर अन्तर की राशि के लिये फर्म जिम्मेवार रहेगी।
4. क्रय समिति को टोनर रिफिलिंग का कार्य गुणवत्ता एवं लागत के आधार पर निर्णय करने का पूर्ण अधिकार होगा। क्रय समिति न्यूनतम निविदादाता व निविदादाताओं को **Negotiation** के लिये आमंत्रित कर सकती है। इसके बावजूद दरें अनुकूल नहीं पाये जाने पर अथवा कार्य वांछित गुणवत्ता का न होने पर निविदा निरस्त की जा सकती है जिसके लिए निविदादाता को कोई दावा करने का अधिकार नहीं होगा।
5. क्रय समिति कार्य की प्रकृति का देखते हुए सभी निविदादाताओं को एक साथ वार्ता (Negotiation) के लिये बुलवाने के लिए स्वतंत्र होगी।
6. सम्पूर्ण वर्ष कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर अनुबंध की अवधि नियमानुसार बढ़ायी जा सकेगी।
7. सफल निविदादाता को कार्यादेश दिए जाने की दिनांक से 07 दिवस में नियमानुसार/कार्यादेश में वर्णित मूल्य के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पर अनुबन्ध/करार पत्र मुद्रित कर कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा।
8. क्रय समिति कार्य की प्रकृति को देखते हुए सभी निविदादाताओं को एक साथ वार्तालाप के लिये बुलवाने के लिए स्वतंत्र होगी।
9. बिल महीने की एक तारीख को राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में प्रस्तुत किया जावेगा जिसके साथ सम्पूर्ण माह की सत्यापित रसीदें संलग्न की जावेगी।
10. संविदा को किसी स्तर पर रद्द करने का अधिकार रजिस्ट्रार जनरल, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में निहित रहेगा। न्यूनतम दरें स्वीकार करना अनिवार्य नहीं है।
11. उपरोक्त शर्तों के अतिरिक्त राजस्थान सरकार के General Financial and Accounts Rules के नियम Transparency in Public Procurement Act, 2012 एवं Transparency in Public Procurement Rules, 2013 के प्रावधान भी लागू होंगे।

Annexure-A
Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

- (a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any Information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- (g) disclose conflict of interest, if any; and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest :-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest. A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

A bidder may be considered to be in Conflict of interest with one or more parties in an bidding process if, including but not limited to;

- (a) have controlling partners/shareholders in common; or
- (b) receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
- (c) have the same legal representative for purposes of the Bid; or
- (d) have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
- (e) the bidder participates in more than one Bid in the bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
- (f) the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid; or
- (g) Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the procuring Entity as engineer-in-charge/consultant for the contract.



Annexure-B
Declaration by The Bidder regarding Qualification

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to for procurement of in response to their Notice Inviting Bid No. Dated..... I/We hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/We possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
2. I/We have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the bidding document;
3. I/We are not insolvent in receivership , bankrupt or being wound up, nor have my/our affairs administered by a court or a judicial officer. My/our business activities have not been suspended and are not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/We do not have, neither have our directors and officers, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, I/we have not been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/We do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date:
Place :

Signature of Bidder
Name:
Designation:
Address:



दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर
लगातार.....07

Annexure-C

Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the Appellate Authority

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued thereunder, he may file an appeal to Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a bidder whose technical bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavor to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under para(1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para(2), or if the Bidder or prospective bidder of the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

- (a) Determination of need of procurement;
- (b) Provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;
- (c) The decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) Cancellation of a procurement process;
- (e) Applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

- (a) An appeal under para(1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any. Affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

(6) Fee for Filing Appeal

- (a) Fee for filing appeal shall be rupees two thousand five hundred, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of a bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

- (a) The Appellate Authority as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the Appellate Authority, as the case may be, shall,-
 - (i) Hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies there of relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies there of relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause(c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर
लगातार.....08

Form No. – 1
Memorandum of Appeal
(See sub-rule 1 of rule 83)

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public

Procurement Act, 2012

Appeal No of

Before.....(Appellate Authority)

1 Particulars of appellant:

(i) Name and father's name of the appellant :

(ii) Official address :

(iii) Residential address :

2. Name and address of the respondent(s)

(i)

(ii)

(iii)

2. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer / authority who passed the order, or a statement of a decision, action or omission of the procuring entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved

3. If the Appellant proposes to be represented by :
a representative the name and postal address
of the representative.

5. Number of affidavits and documents enclose with the appeal:

6. Grounds of appeal:-

.....
.....(Supported by an affidavit)

7. Prayer
.....

Place

Date

Appellant's Signature



दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर
लगातार.....09

Annexure-D
Additional Conditions of Contract

1. **Correction of arithmetic errors.-**

Provided that Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis, namely: -

- (a) if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
- (b) if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
- (c) if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (a) and (b) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. **Procuring Entity's Right to vary Quantities.-**

- (a) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or service originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (b) If the procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.
- (c) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not more than 50% of the value of Goods of the original **contract in current financial year 2017-18 on same terms and conditions**. If the suppliers fail to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

3. **Dividing quantities among more than one bidder at the time of award.-**

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, then in such cases, the quantity may be divided between the Bidders, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर
लगातार.....10

ANNEXURE – 1 EXPERIENCE DETAILS
(Work order/Work completion Certificate for similar work)

NIT No. HC/SK/2020-21/ dated -06-2020

Ref: Tender for work of Tonner Refilling at Rajasthan High Court, Jodhpur

टोनर रिफिलिंग कार्य के अनुभव का विवरण

विभाग/संस्थान का नाम	राजकीय/ अर्द्धराजकीय/ प्राइवेट	अवधि (कार्यादेश की प्रति मय प्रमाण पत्र संलग्न करें)	दिनांक से दिनांक तक	क्या वर्तमान में इस विभाग/संस्थान में कार्य किया जा रहा है (हाँ/नहीं)



दिनांक :
स्थान :

हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर

ANNEXURE-2 RTGS DETAILS OF FIRM (ON FIRM LETTER HEAD)
(Must be filled)

Dear sir,

We hereby confirm that we are willing to opt for payment to be received through RTGS/ NEFT. The bank details duly confirm by bank, for receipt of payment against material supply/services, miscellaneous dues.

Bank Details

- 1) Account No. :
- 2) Type of Account :
- 3) Bank Name :
- 4) Branch Name & Address :
- 5) Contact No. of the Branch :
- 6) IFSC No. :
- 7) PAN No. :

Communication Details

- 1) e-mail ID :
- 2) Cell No. :

We authorize you to deduct necessary bank charges of NEFT/RTGS.

We have forwarded a soft copy of the above details to hc-rj@nic.in on date –

Yours faithfully,

(Signature & Name of auth. sign. with company/firm stamping)

Bank Confirmation

Certified that the furnished above bank details are correct as per our records.

Bank's Stamp

Authorized Signatory _____ Date _____

दिनांक :
स्थान :



हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर

ANNEXURE-3

घोषणा-पत्र

(फर्म द्वारा स्वयं के लेटर हेड पर घोषणा पत्र)

मेरे/ हमारे द्वारा घोषणा की जाती है कि कार्यालय निविदा क्रमांक एचसी/एसके/2020-21/ दिनांक .06.2020 का निविदा प्रपत्र तथा इसके सलग्न समस्त प्रपत्रों, जानकारी एवं शर्तों को मैंने/हमने अच्छी तरह अध्ययन कर लिया है। मुझे/हमें यह भी स्वीकार है कि निविदा के सम्बन्ध में श्रीमान रजिस्ट्रार जनरल, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर का निर्णय हमारे लिये अन्तिम एवं मान्य होगा।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि मेरी/हमारी फर्म द्वारा निविदा में चाहा गया व्यवसाय किया जाता है तथा इस कार्य में प्रयुक्त होने वाले सामान एवं कार्य में प्रयुक्त होने वाले उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उक्त कार्य हेतु हमारे यहा अनुभवी एवं तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध है। राज्य सरकार/बोर्ड/विश्वविद्यालय/स्वायतशासी संस्थान/निगम/बैंक आदि के द्वारा मेरी/हमारी फर्म को ब्लैक लिस्ट नहीं किया हुआ है। प्रतीकस्वरूप निविदा प्रपत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर मय सील कर दिये है।

यदि यह घोषणा असत्य पायी जाए तो किसी भी अन्य कार्यवाही जो की जा सकती है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना मेरी/हमारी प्रतिभूति (Security Deposit) को पूर्ण रूप से समपहत किया जा सकेगा तथा निविदा को, जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द किया जा सकेगा।

दिनांक:
स्थान :



हस्ताक्षर निविदादाता
मय पता सील मोहर